

प्रेषक,

भास्करानन्द,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
उधमसिंहनगर।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक ०१ मार्च 2013

विषय:—जनपद उधमसिंहनगर के अंतर्गत तहसील खटीमा में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के निर्माण हेतु कुल 2.023 है० भूमि निःशुल्क हस्तांतरण के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—274 / सात्त—स0भ०अ० / 2012 दि०—22.12.2012 के सन्दर्भ में, मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, श्री राज्यपाल, जनपद उधमसिंहनगर के अंतर्गत तहसील खटीमा में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के निर्माण हेतु ग्राम सुजिया, तहसील खटीमा के खाता संख्या—02 के खसरा संख्या—564 स, रकबा 1.299 है० मध्ये 1.023 है०, खसरा सं०—568अ रकबा 1.8870 है० मध्ये 1.000 है० कुल रकबा 2.023 है० भूमि जो श्रेणी—1 खुदकाश्त सरकार दर्ज है एवं कृषि विभाग के नियंत्रण में है, को वित्त अनुभाग—3 के शासनादेश संख्या—260 / वित्त अनुभाग—3 / 2002 दिनांक 15—02—02 के प्राविधानों के अधीन तथा प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग एवं कृषि विभाग, उत्तराखण्ड शासन की सहमति / अनापत्ति के कम में निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को उक्त प्रयोजन हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1) भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- (2) जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- (3) हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- (4) यदि भूमि की आवश्यकता न हो या ३ वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।
- (5) जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- (6) जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।
- (7) प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

(8) प्रश्नगत भूमि आवंटन के पूर्व जर्मीदारी विनाश एवं भू-सुधार अधिनियम की धारा-132 एवं अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन ज़िलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(9) इस संबंध में सिविल अपील संख्या-1132/2011(एस0एल0पी0) / (सी) संख्या-3109 / 2011 श्री जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या-1 से 9 मे से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत किये जाने वाले आदेश की प्रति अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

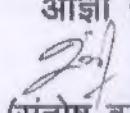
भवदीय,

(भास्करानन्द)  
सचिव।

प०प०संख्या-२५० / समदिनांकित / २०१३

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1— प्रमुख सचिव, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा/कृषि विभाग, उत्तराखण्ड शासन।  
2— आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।  
3— आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।  
4— निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।  
5— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(संतोष बडोनी)  
अनुसचिव।